

प्रेषक,

एसओएस0वेल्डिया,
उप सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
संस्कृति निदेशालय,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

संस्कृति अनुभाग

देहरादून दिनांक 2/ जनवरी, 2010

विषय- गणतन्त्र दिवस-2010 की पूर्व सन्ध्या के अवसर पर कवि सम्मेलन/मुशावरा आयोजन हेतु धनावटन एवं अग्रिम आहरण की स्वीकृति विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-1812/सं0नि0उ0/वी-3/2009-10 दिनांक 26 दिसम्बर 2009 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री शासनादेश संख्या-480/VI-I/2009-2(28)/2008 दिनांक 10-7-2009 के क्रम में 42- अन्य व्यय मानक मद के आयोजनागत पक्ष में अवशेष धनराशि रु0 33.33 लाख (रु0 तीस लाख तीस हजार मात्र) की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करते हुए व्यय हेतु आपके निवेदन पर रखे जाने एवं उक्त के सापेक्ष विषयगत कार्यक्रम हेतु रु0 1070040.00 (रु0 दस लाख सत्तर हजार चालीस) मात्र की स्वीकृति प्रदान करते हुए रु0 5.50 लाख (रु0 पांच लाख पचास हजार मात्र) मात्र के अग्रिम आहरण की स्वीकृति वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-4 के नियम 249 के अन्तर्गत छूट प्रदान करते हुए श्री राज्यपाल महोदय व्यय किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही सीमित रखा जाय, साथ ही जिन मदों के लिए बजट में अनुमत या वित्तीय दस्त मुद्रिका के नियमों या अन्य आदेशों के अन्तर्गत व्यय करने के पूर्व सहमति अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय करने से पूर्व शासन/सम्बन्धित अधिकारी की स्वीकृति भी अनिवार्य रूप से प्राप्त कर ली जाय। व्यय में मितव्ययता निरन्तर आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जाँच किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

3- उक्त आयोजन में हुए वास्तविक व्यय के आधार पर अग्रिम का समाचालन सुनिश्चित किया जायेगा। साथ ही गत वर्ष स्वीकृत धनराशि का व्यय विवरण/समाचालन विषयक प्रमाण-पत्र भी शासन को उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

4- उक्त धनराशि का नियमानुसार इसी वित्तीय वर्ष में समाचालन कर लिया जाना सुनिश्चित किया जायेगा तथा आयोजनोपस्तन्त वास्तविक व्यय के आधार पर भदवार व्यय विवरण हेतु हुए उपयोजिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध कराया जाय।

5- इस सम्बन्ध में समय-समय पर जाँच किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का अग्रिम से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

- 6- उपरत धनसांश इस शर्त के साथ स्वीकृत की जा रही है कि इसी कार्यक्रम के लिए उत्तराखण्ड शासन के किसी अन्य विभाग/भारत सरकार से अनुदान प्राप्त नहीं करेंगे।
- 7- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2009-10 हेतु अनुदान सख्या-11 के लेखाशीर्षक-2205-कला एवं संस्कृति-00-001-निर्देशन तथा प्रशासन-03-सांस्कृतिक कार्य निर्देशात्मक-00-42-अन्य व्यय मानक मद के आयोजनागत पक्ष से वाहन किया जायेगा।
- 8- उपरोक्त निर्देश वित्त विभाग के अधीनस्थ संख्या-766(पी)/XXXVII(3)/2009 दिनांक 19 जनवरी, 2010 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एसएसएसजी/सि/सि)
उप सचिव।

पुष्टांकन संख्या-39 /VI-I/2010-2(4)2009 तद्विनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड, देहरादून।
- 2- परिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3- निजी सचिव, माओ संस्कृति मंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
- 4- वित्त अनुभाग-3, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निर्देशालय, उत्तराखण्ड।
- 6- एनआईसी, उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून।
- 7- माल फाइल।

आज्ञा,री

(एसएसएसजी/सि/सि)
उप सचिव।